Shri Hayagriva Ashtakam

श्रीहयग्रीवाष्टकम्

Document Information

Text title : Shri Hayagriva Ashtakam 1

File name : hayagrIvAShTakam.itx

Category : vishhnu, aShTaka

Location : doc_vishhnu

Proofread by : Mohan Chettoor

Latest update : October 8, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

August 18, 2023

sanskritdocuments.org

Shri Hayagriva Ashtakam

श्रीहयग्रीवाष्टकम्

प्रणवसूद्रीत विग्रह प्रणुत सङ्घात सुग्रह
    विहत दुर्वादि दुर्ग्रह विमतसन्धात निग्रह ।
विधृत सुज्ञान मुद्रण विनिहताज्ञान मुद्रण
    जय जय श्री हयानन जय जय श्री हयानन ॥ १॥

सकल सिद्धान्त चोदन सुकर वेदान्त बोधन
    निखिल दुष्कर्म बन्धन निगम सद्धर्म साधन ।
वितर दाम्नाय वेदन विलसदोङ्कार नादन
    जय जय श्री हयानन जय जय श्री हयानन ॥ २॥

प्रणव हेषा विनोदन प्रणत दोषापनोदन
    सुकृत भाषाभिवादन ललित भूषा सुवादन ।
नवमनीषाब्धिधारण भवभयोद्विद्भिः वारण
    जय जय श्री हयानन जय जय श्री हयानन ॥ ३॥

कमलधामनि पयोनिधे विमल धामनि कलानिधे
    विमल दीप्ते सुवाङ्मय विधृत शक्ते जगन्मय ।
वितत सद्भानु मण्डित श्रितकलादान पण्डित
    जय जय श्री हयानन जय जय श्री हयानन ॥ ४॥

सुजनरक्षा विधायक स्वजन वीक्षा प्रदायक
    श्रितजन त्राण दीक्षित श्रुति शिखा जाल दीक्षित ।
स्थिर चतुर्वेद पञ्जर स्वर महामोद पञ्चर
    जय जय श्री हयानन जय जय श्री हयानन ॥ ५॥

करविराजत् सुदर्शन कलुषराशीविकर्शन
    सुकृत दत्त स्वदर्शन श्रुति महावाग् विमर्शन ।
विलसदम्भोज वासन विदलिताज्ञानवासन ।
    जय जय श्री हयानन जय जय श्री हयानन ॥ ६॥

सकल वाणीश नायक सकल मेधा प्रदायक
हसित ताम्र प्रतिष्ठित सुदृढबीजाभिवेष्टित ।
हृदय सारस्वरूपक हृत सुरारि प्रदायक
जय जय श्री हयानन जय जय श्री हयानन ॥ ७॥

स्फुरित शुद्ध प्रभायत स्फुरित विश्व त्रयीमय
विशदवाणी विराजित विबुध लोकैक पूजित ।
निबिड तेजो विनिश्रुत निजकराञ्चत् सपुस्तक
जय जय श्री हयानन जय जय श्री हयानन ॥ ८॥

इति श्रीहयग्रीवाष्टकं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Mohan Chettoor

Shri Hayagriva Ashtakam
pdf was typeset on August 18, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*